बुधवार
04 दिसम्बर 2024
● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 293
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

32 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नशे के खिलाफ कांग्रेसियों का सचिवालय कूच, गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नशे के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सचिवालय कूच किया जहां पर पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर पुलिस लाईन पहुंचाया।

आज यहां पूरे प्रदेश से कांग्रेस कार्यकर्ता बडी संख्या में कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानू चिब के नेतृत्व में सचिवालय के लिए कूच किया। कांग्रेस कार्यकर्ता जैसे ही सेंट जोजेफ स्कूल के पास पहुंचे तो पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। वह वहीं धरने पर बैठ गये।

उनका कहना था कि पहले उत्तराखण्ड देवभूमि कहलाता था पर्यटन के नाम से जाना जाता था आज भाजपा सरकार ने नौजवानों को नशे में झोंक दिया। पिछले सात साल से भाजपा सरकार की पहचान शराब कारोबार बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले आठ साल से प्रदेश में पुलिस भर्ती नही हुई। आज भाजपा सरकार ने शराब के कारोबार को सबसे ऊपर के पायदान पर लाकर खडा कर दिया है। नौजवान नशे की गिरफ्त में आ गये हैं। आज रोजगार नौजवानों के सामने चुनौती बन गया है। सरकार नौजवानों के हाथों में काम नहीं दे रही बल्कि पूरे प्रदेश में नशे का कारोबार फैलता जा रहा हैं अकेले देहरादून में सौ से अधिक अंग्रेजी शराब के ठेके हैं। इसके साथ ही देसी शराब के ठेके अलग हैं। पहले देहरादून ओएनजीसी, एफआरआई, ओर्डिनेस फैक्ट्री जैसे संस्थानों के नाम से जाना जाता था लेकिन अब प्रदेश को नशे के कारोबार के नाम से जाना जाता है। यह काम नौजवानो को नशे की गिरफ्त में डालने वाली भाजपा सरकार का है। जिसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर पुलिस लाईन पहुंचाया।

एक नजर

स्वर्ण मंदिर के बाहर सुखबीर सिंह बादल पर चली गोली

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मंदिर में गोली चलाने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही इस घटना के पीछे का सच सामने आएगा। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि इस हमले के पीछे कोई बड़ी साजिश थी या नहीं। हमलावर सुखबीर सिंह बादल की हत्या के षड़यंत्र को अंजाम देने के लिए आया था। लेकिन पुलिस की सक्रियता की वजह से यह बड़ी घटना टल गई है और उन्हें बचा लिया गया है। सूत्रों की मानें तो गोली चलाने वाले आरोपी का नाम नारायण सिंह है और उसका संबंध आतंकी गुट खालिस्तानी संगठन से है।

इस घटना का वीडियो सामने आया है जिसमे देखा जा सकता है कि सुखबीर सिंह सेवादार के तौर मुख्य द्वार पर पहरा दे रहे हैं। इसी दौरान एक व्यक्ति उनकी ओर आगे बढ़ता है और पिस्तौल निकालकर उनके ऊपर फायर करता है। लेकिन इसी दौरान वहां खड़ा दूसरा व्यक्ति उनकी ओर दौड़ता है और इस हमले को विफल कर देता है। हमलावर ने उस वक्त गोली चलाई जब शिरोमणि अकाली दल के चीफ सुखबीर सिंह बादल स्वर्ण मंदिर के प्रवेश द्वार पर अपनी सेवा दे रहे थे। इस दौरान उनके साथ कई अकाली दल के नेता मौजूद थे। पिछले कई साल से सुखबीर सिंह बादल और अन्य नेता यहां सजा के तौर पर अपनी सेवा दे रहे हैं। अकाल तख्त ने उन्हें तनखा यानि धार्मिक सजा सुनाई है। यह सजा उन्हें 2007 से 2017 के बीच उनकी गलतियों के लिए सुनाई गई है। सजा के तौर पर उन्हें सेवादार के तौर पर काम करने को कहा गया है, उन्हें यहां बर्तन साफ करने हैं, जूते साफ करने है। बता दें कि पिछले दो महीनों से सुखबीर सिंह बादल स्वर्ण मंदिर के गेट पर बैठ रहे हैं, यहां वह एक हाथ में तलवार लिए सेवादार की वर्दी में बैठते हैं। वह यहां व्हीलचेयर पर बैठते हैं। इसी दौरान आज सुबह तकरीबन 9 बजे यह घटना हुई।

दून वैली मेल

संपादकीय

प्रशासकों की नियुक्ति पर सवाल

संवैधानिक संस्थाओं का कार्यकाल समाप्त होने तक अगर नए चुनाव के जरिए नए सदस्यों का निर्वाचन किसी कारणवश नहीं हो पता है तो इन संस्थाओं का कार्य सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रशासकों की नियुक्ति का प्रावधान है। लेकिन अगर संस्था या संस्थाओं के पूर्व पदाधिकारियों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया जाना कितना उचित है उत्तराखंड में आजकल इस मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच घमासान की स्थिति बनी हुई है। क्योंकि राज्य सरकार ने पंचायतों में जिला पंचायत की जगह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्षों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया गया है सवाल यह है कि अगर पूर्व मेयर या जिला पंचायतों के अध्यक्षों को इस अपने पद पर कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी बनाए रखा जा सकता है तो फिर प्रशासकों की नियुक्ति के इस प्रावधान की जरूरत ही क्या थी? क्यों पंचायत एक्ट में प्रशासकों की नियुक्ति के प्रावधान को रखा गया है। उत्तराखंड राज्य में कुल 13 जिले हैं जिनमें से हरिद्वार जिला पंचायत को छोड़कर बाकी 12 जिलों की पंचायतों का कार्यकाल बीते नवंबर माह में समाप्त हो चुका है। पहले तो सरकार नगर निगम की तरह राज्य में पंचायत के चुनाव सही समय पर कराने में असमर्थ या विफल रही वहीं अब कार्यकाल समाप्त होने पर भी इन पंचायतों में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्षों को ही प्रशासक के रूप में नियुक्तियां देकर उन्हीं को इसका लाभ दे दिया गया। विपक्ष कांग्रेस का कहना है कि यही सब करना था तो फिर सरकार निगमों में मेयरो को ही प्रशासक नियुक्त कर देना चाहिए वहां प्रशासनिक अधिकारियों को बैठाने की भी क्या जरूरत थी राज्य के पिछले पंचायत चुनाव में भाजपा का दबदबा रहा था वह 13 में से 9 जिलों में अपने पंचायत अध्यक्ष चुने जाने में सफल रही थी जिनकी संख्या अब बढ़कर 10 हो गई है। कुल मिलाकर भाजपा ने कुल 12 में से 10 जिला पंचायत अध्यक्षों के कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी अपने पद पर बने रहने का अवसर दे दिया है। चुनाव कितने समय बाद हो पाते हैं अलग बात है लेकिन इन पंचायतों पर जब तक चुनाव नहीं होते इन पर प्रशासकों के रूप में भाजपा का ही कब्जा बना रहेगा। प्रशासको की नियुक्ति के बारे में भले ही एक्ट में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है लेकिन प्रशासक का मतलब कम से कम इतना तो जरूर होता है कि वह किसी भी पार्टी का नहीं होता है। सरकार के इस फैसले का विरोध विपक्षी दल कांग्रेस द्वारा तो किया ही जा रहा है इसके साथ ही यह भी खास बात है की इसे लेकर अन्य जनप्रतिनिधियों में भी रोष है। उनका भी यही कहना है कि ऐसा करके सरकार ने उनकी उपेक्षा की है। राज्य में 85 ब्लाक प्रमुख और 65 हजार से अधिक जनप्रतिनिधि अब स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। लोगों का मानना यह भी है कि भाजपा सरकार के इस फैसले का उसे आने वाली पंचायत चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उधर विपक्ष के नेता अब सरकार के इस फैसले को लेकर नियम कानून की किताबें भी देख रहे हैं कि क्या यह फैसला संवैधानिक है तथा किन बिंदुओं के आधार पर वह सरकार के फैसले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते है अगर यह मामला न्यायालय तक पहुंचता है तो सरकार इसका नुकसान होना भी तय है। दरअसल आप सत्ता में बैठकर संवैधानिक मामलों में अपनी सुविधा और लाभ के अनुसार फैसले लेने के लिए स्वतंत्र नहीं हो सकते हैं। उत्तराखंड राज्य ने अपने यह जो नया प्रयोग प्रशासकों की नियुक्ति को लेकर किया है इसकी क्या परिणीति होगी यह आने वाला समय ही बताएगा।

स्मैक तस्करी में एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में स्मैक तस्करी करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 5.93 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना भगवानपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को पीर मजार के पास ग्राम सिकन्दरपुर में एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.93 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम जावेद उर्फ जौनी पुत्र शकील निवासी ग्राम खुब्बनपुर थाना भगवानपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

सीएस ने यूपी राजकीय निर्माण निगम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को आधी-अधूरी एवं गुणवत्ताहीन निर्माणधीन आईटीआई भवनों के मामले में तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम (यूपीआरएनएन) को आधी-अधूरी एवं गुणवत्ताहीन निर्माणधीन आईटीआई भवनों के मामले में तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने यूपीआरएनएन को आधी-अधूरी एवं गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों के कारण भुगतान वापसी हेतु नोटिस जारी करने तथा नोटिस का अनुपालन नही होने की दशा में उनके विरूद्ध प्राथिमिकी रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने

उत्तराखण्ड पेयजल निगम को आईटीआई सुरक्षा निर्माण सहित सभी निर्माण कार्यो में दीर्घ अवधि के विजन तथा हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ कार्य करने की कड़ी हिदायत दी है। उन्होंने आईटीआई के सुरक्षा निर्माण कार्यो के साथ ही ड्रेनेज सिस्टम तथा बाउण्ड्री वॉल पर भी कार्य करने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में आईटीआई नारसन (हरिद्वार) में सुरक्षा निर्माण कार्यो के सम्बन्ध में व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक की अध्यक्षता के दौरान मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने 187.30 लाख रूपये के प्रोजेक्ट लागत पर अनुमोदन देते हुए उत्तराखण्ड पेयजल निगम को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। आईटीआई में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के दृष्टिगत मुख्य सचिव श्रीमती रतूड़ी ने इस प्रोजेक्ट की 10 दिन के भीतर सिंचाई विभाग से टेक्नीकल परीक्षण करवाने के बाद निर्माण कार्य आरम्भ करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अगले मानसून से पहले निर्माण कार्यों को पूरा करने तथा आईटीआई कैम्पस की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर सचिव सी रविशंकर सहित पेयजल निगम एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर प्रबंधन ने किया मोर्चा अध्यक्ष का अभिनंदन

संवाददाता

देहरादून। सरस्वती विद्या मंदिर प्रबंधन ने मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी का अभिनंदन किया।

आज यहां विद्यालय प्रबंधन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, ढालीपुर को सी.एस.आर. मद से 9.12 लाख रुपए कक्ष निर्माण हेतु स्वीकृति/ धन आवंटन करने के मामले में जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी का अभिनंदन किया। प्रधानाचार्य वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि लगभग तीन- चार माह पूर्व विद्यालय प्रबंधन द्वारा मोर्चा अध्यक्ष नेगी से विद्यालय में छात्र-छात्राओं के पठन- पाठन हेतु अतिरिक्त कक्षों आदि के निर्माण हेतु उत्तराखंड जल विद्युत निगम से सीएसआर मद से उक्त निर्माण कार्य की स्वीकृति /धन आवंटन का आग्रह किया था। नेगी ने कहा कि उक्त मामले में मोर्चा द्वारा

सचिव, ऊर्जा, उत्तराखंड शासन एवं प्रबंध निदेशक, उत्तराखंड जल विद्युत निगम से आग्रह किया गया, जिसके फलस्वरुप स्वीकृति प्रदान हुई। इस दौरान नेगी ने विद्यालय का भी निरीक्षण किया एवं अन्य संसाधनों को लेकर भी भविष्य में विद्यालय को हर संभव मदद का आश्वासन दिया, जिससे छात्र-छात्राओं का पठन-पाठन सुचारू रूप से चलता रहे। अभिनंदन करने वालों में-प्रधानाचार्य वेद प्रकाश शर्मा, संजय वर्मा, सुदेश चौधरी, दिनेश कुड़ियाल, अंकित डेवसाल, नरेंद्र, अनीता व मोर्चा के प्रवीण शर्मा पिन्नी, हाजी असद आदि मौजूद थे।

युवती से छेडछाड का विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

संवाददाता

देहरादून। युवती से छेडछाड का विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मायाकुण्ड निवासी युवती ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता का स्वर्गवास कुछ वर्षों पूर्व हो चुका है उसकी मां अपने परिवार के भरण पोषण हेतु स्थित बहत्तर सीढी, हरिद्वार रोड, ऋषिकेश जिला देहरादून में फूलो की दुकान लगाती है। वह अक्सर अपनी स्कूटी से मम्मी को दुकान से घर लाने के लिए शाम के समय दुकान में जाती है तो वहां पडोसी दुकानदार सोलन विश्वास निवासी गंगानगर, ऋषिकेश जो कि एंकात कुटीर के पास फुलो की दुकान लगाता है वह लगभग दो माह से उसको देखकर गंदे गंदे इशारे व अपशब्दों का प्रयोग करता है और गंदी हरकत करते हुये कहता है वह उसको बहुत अच्छी लगती है और जबरन उसकी स्कूटी पर पीछे की ओर बैठ जाता और उसको बोलता की वह उसको भगाकर ले जायेगा।

उसके डांटने पर मना करने पर उसे गंदे गंदे कमेंट पास करने लगता वह अपनी इज्जत व शर्म के कारण चूप रही जिस कारण उसके हौसले और ज्यादा बढ गये। वह शाम लगभग सात बजे जब अपनी दुकान में गयी तो सोलन विश्वास द्वारा जबरन उसका बूरी नियत से हाथ पकड लिया और बोला की आज वह उसको अपने साथ भगाकर ले जायेगा और अश्लील बाते करते हुये छेडखानी करने लगा। उसने घटना के चार पांच दिन बाद अपने भाई को उक्त वाक्या के बारे में बताया। यह कि उसका भाई उक्त घटना के बारे में पूछताछ करने सोलन विश्वास की दुकान में गया और अपनी बहन के साथ उसके द्वारा किये गये अभद्र व गंदे व्यवहार के बारे में पता किया तो सोलन विश्वास भडक गया और उसके बारे में गंदी गंदी बुरी बाते बोलते हुये भाई को मां बहन की गंदी गंदी गालियां देने लगा और उसने तुरन्त मोबाईल फोन कर तीन चार लडको को मौके पर बुला लिया और सोलन विश्वास ने उन अज्ञात लडको के साथ मिलकर उसके भाई के साथ काफी मारपीट की और वरूण के दांये हाथ में दातों से बुरी तरह काट लिया तभी हल्ला गुल्ला व शोर शराबा सुनकर उसकी दुकान में काम करने वाला युवक रंजीत भागकर भाई को बचाने गया तो सोलन विश्वास व उसके दोस्तों ने रंजीत के साथ मारपीट की और उसकी अंगुली में दातों से काट दिया जिस कारण काफी खून बहने लगा इसी हंगामे के दौरान उसके परिचित राजेन्द्र साहनी भी मौके पर पहुंचे और उनके द्वारा बीच बचाव कर भाई व रंजीत को उक्त लोगो से बचाया गया लेकिन तब भी चीख चीख कर सोलन विश्वास यह लगातार धमकी दे रहा था कि वह उसकी बहन के साथ ऐसा हाल करूंगा की वह कही मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इन घरेलू उपायों को अपनाने से खोल सकते हैं बंद गला, दूर होती है खराश

इन दिनों जाती हुई सर्दी है, जो स्वास्थ्य के सबसे ज्यादा हानिकारक मानी जाती है। बदलते मौसम के कारण कई लोग बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इन बीमारियों को चिकित्सकों की भाषा में मौसमी बीमारियाँ कहा जाता है। मौसमी बीमारियों में सबसे ज्यादा परेशानी गले की बीमारी से होती है। अक्सर देखा गया है कि इस मौसम में कई लोगों को गले में जकडऩ की समस्या होने लगती हैं जो बेहद असहज स्थिति पैदा करती है। इस परेशानी में व्यक्ति को खाने-पीने में दिक्कत होने के साथ ही बोलने में भी रुकावट का सामना करना पड़ता है।

यदि आप भी इस बीमारी से ग्रस्त हैं तो नीचे बताए जा रहे घरेलू उपायों को अपनाकर आप इससे मुक्ति पा सकते हैं।।।

गले की जकडऩ को दूर करने के लिए यह सबसे सरल और कारगर उपाय है। आप सुबह उठते ही सबसे पहले एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच नमक मिलाकर उसके गरारे करें। साथ ही इस पानी से गले के आसपास सिंकाई भी की जा सकती है। इससे आपको काफी आराम मिलेगा। इससे आपको काफी जल्द जकडऩ से राहत मिल सकती है।

आपने एक नाम सुना होगा सेब का सिरका और इसका इस्तेमाल भी कई बार किया होगा। खूबसूरती को बढ़ाने में एप्पल साइडर विनेगर बहुत काम आता है। मौसम में बदलाव होने से या ठंडी गरम चीजें खा लेने से गले में खराश होना एक आम समस्या है। एक सुखदायक प्रभाव देने से लेकर खराश वाले गले और खाँसी से लडऩे के लिए एप्पल साइडर विनेगर जादुई साबित होता है। आप शहद के साथ सेब का सिरका ले सकते हैं या फिर रात में सोने से पहले एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच सेब का सिरका डालकर पियें। या फिर गुनगुने पानी के साथ मिलाकर गरारे कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण गले की खराश से जल्दी आराम दिलाते हैं।

गले में जकडऩ होने पर आप तुलसी का पानी पी सकते हैं। इसके अलावा तुलसी की चाय भी आपके लिए लाभकारी हो सकती है। तुलसी की चाय को तैयार करने के लिए 1 कप पानी लें। इसमें 4-5 तुलसी की पत्तियां डाल दें। तुलसी की चाय का सेवन करने से गले की खराश, जकडऩ और दर्द दूर होता है।

पॉल्यूशन से बचने के लिए कौन सा मास्क बेहतर ?

दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के इलाकों की हवा जहरीली हो गई है। लोगों का खुलकर सांस लेना भी दुश्वार हो गया है। एयर क्वॉलिटी इंडेक्स आए दिन खतरनाक लेवल क्रॉस कर रहा है। वायु प्रदूषण बढऩे की वजह से लोगों की सेहत में गंभीर नुकसान देखने को मिल रहे हैं। पॉल्यूशन लोगों के फेफड़ों को बीमार कर रहा है। वहीं दिल से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसके साथ ही कई रिसर्च में प्रदूषण की वजह से कैंसर होने के खतरे की बात भी सामने आ रही है। इन सभी के पीछे का कारण है एक महीन कण पीएम 2.5 (पार्टिकुलेट मैटर 2.5)। यही सभी बीमारियों की जड़ है। वायु में घुले इस बारीक कण की वजह से ही लोग बीमार पड़ रहे हैं। ये सांस के जरिए सीधे लोगों के फेफड़ों में पहुंच रहा है। इससे बचने का सिर्फ एक ही तरीका है वो है मास्क। अब लोगों में मास्क को लेकर भी बड़ी कंफ्यूजन है कि कौन सा मास्क दिल्ली जैसे प्रदूषण से बचाव कर सकता है। आइए जानते हैं एन95 बनाम एन99 मास्क में कौन सा मास्क आपके लिए बेहतर रहेगा।

एन95 मास्क या एफएफपी1

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक एन95 मास्क मेडिकल तौर पर सबसे ज्यादा इफेक्टिव होता है। दिल्ली-एनसीआर में जो लोग रोजाना प्रदूषण के संपर्क में आते हैं उनके लिए 95त्न फिल्ट्रेशन रेट के लिए एफएफपी1 मास्क अच्छा साबित हो सकता है। इससे फायदा न मिले तो एन95 मास्क का यूज करें। एन95 मास्क पीएम 2.5 और अन्य प्रदूषक को 95प्रति. तक फिल्टर कर सकता है।

एन99 मास्क

एन99 मास्क प्रदूषण को पूरी तरह रोक नहीं पाता है। लेकिन काफी हद तक छोटे कणों को शरीर के अंदर जाने से रोक सकता है।

एन1०० मास्क

एन1०० मास्क हाई लेवल फिल्टरेशन का काम करते हैं। एन1०० 99.97 प्रति. तक प्रदूषक तत्वों को फ़िल्टर करता है। इनका इस्तेमाल बहुत अधिक प्रदूषित जगहों पर किया जाता है। इनमें सांस लेना थोड़ा मुश्किल होता है। इसे ज्यादा देर तक इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

पी95 और आर95 मास्क

पी95 मास्क ऑयल बेस्ड पार्टिकल्स से बचाव करता है। नॉन-ऑयल और ऑयल बेस्ड पार्टिकल्स जैसे प्रदूषण वाले वातावरण के लिए परफेक्ट हैं। इन्हें शॉर्ट टर्म के लिए यूज कर सकते हैं।

पॉल्यूशन से बचने के लिए कैसा मास्क खरीदें?

एक्सपर्ट के अनुसार पीएम 2.5 (पार्टिकुलेट मैटर 2.5) कणों की वजह से बचने के लिए हमेशा ऐसा मास्क खरीदना चाहिए जिनकी सील पक्की हो। इसके साथ ही इस बात का खास ख्याल रखें की उनमें कार्बन डाइऑक्साइड को बाहर निकालने के लिए वॉल्व भी बना हो।

सिर्फ खाने में नहीं, कई छोटे-बड़े कामों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है लौंग

चाय से लेकर बिरयानी तक में अगर एक से दो लौंग डाल दी जाए तो उनका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाने का जायका बढ़ाने के अलावा लौंग का इस्तेमाल अन्य कई कामों के लिए किया जा सकता है। आइए आज हम आपको लौंग से जुड़े कुछ ऐसे बेहतरीन हैक्स के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में जानकर आप यकीनन हैरान रह जाएंगे, तो चलिए फिर एक नजर डालते हैं।

घर से दूर भाग जाएंगे कॉकरोच

लौंग की महक बहुत तीखी होती है। हालांकि, इंसानों पर इसका कोई असर नहीं होता है लेकिन इसकी सुगंध कॉकरोच भगाने के लिए काफी है। घर के जिस कोने में भी कॉकरोच हैं, वहां लौंग की कलियां डाल दें। ऐसा करने से कॉकरोच उस जगह से भाग जाएंगे। हालांकि, अगर आपके घर में कॉकरोच का प्रकोप ज्यादा है तो पहले लौंग को पीसें, फिर इसके पाउडर घर में बिखेर दें।

रूम फ्रेशनर बनाएं

कई लोग अपने घर को महकाने के लिए तरह-तरह के रूम फ्रेशनर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ये रूम फ्रेशनर काफी महंगे होते हैं और इनकी आर्टिफीशियल खुशबू स्वास्थ्य के हानिकारक भी साबित हो सकती है। ऐसे में आप लौंग से एक सस्ता और सुरक्षित रूम फ्रेशनर बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप आवश्यकतानुसार लौंग के पाउडर में थोडा लैवेंडर ऑयल मिलाकर घर के सभी कोने में थोड़ा-थोड़ा रख दें। इससे आपका घर खुशबू से महक उठेगा।

कट वाले घाव जल्द भरे

अगर चाकू से आपके हाथ या पैर पर हल्का कट लग जाता है तो इस घाव को जल्द ठीक करने के लिए आप लौंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए बस घाव वाली जगह पर लौंग का पाउडर लगाकर छोड़ दें। ऐसा कुछ दिन लगातार करें। लौंग में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-सेप्टिक और एनाल्जेसिक (दर्द-निवारक) गुण मौजूद होते हैं। ये सभी गुण कटने के कारण होने वाले दर्द और जलन से राहत दिलाकर घाव भरने में मदद कर सकते हैं।

सामान्य समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

जब भी आपको गले में खराश, सर्दी या फिर जुकाम जैसी समस्याएं हो तो इनसे राहत पाने के लिए भी आप लौंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, लौंग में एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण मौजूद होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करके इन समस्याओं से जल्द राहत दिलाने में मदद कर सकता है। समस्याओं से राहत पाने के लिए एक चुटकी लौंग पाउडर के साथ आधी चम्मच शहद मिलाकर खाएं। ऐसा समस्या होने पर दिन में दो बार करें।

डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है भिंडी!

हम सभी ने भिंडी की सब्जी खाई है. इसका लाजवाब स्वाद लोगों को खूब पसंद आता है. आप जैसे चाहे वैसे इसे बना सकते हैं. लोग भिंडी से विभिन्न प्रकार की डिशेज बनाते हैं. इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं. भिंडी एक सुपर फूड है जो डायबिटीज और कैंसर के मरीज के लिए बहुत फायदेमंद होता है. भिंडी में विटामिन बी, विटामिन सी, फोलिक एसिड और कैल्शियम होता है. इसमें कैलोरी कम होता है और फाइबर अधिक होता है. भिंडी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है. आइए जानते हैं कैसे भिंडी डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है.

शुरुआती स्टेज में भिंडी खाना फायदेमंद होता है. एक शोध में पाया गया कि जो लोग भिंडी खाते हैं उनका शुगर लेवल कम रहता है. तुर्की में तो कई सालों से भिंडी के बीजों को भूनकर डायबिटीज के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है.

भिंडी एक ऐसी सब्जी हैं जिसमें फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो डायबिटीज को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. ये एंटी ड्यूरेटिक फूड है जिसमें फाइबर अधिक होता है और शुगर का लेवल कम होता है. ये ग्लाइसेमिक कंट्रोल को बढ़ावा देता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी को भी बेहतर करता है. फाइबर होने की वजह से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और जल्दी भूख भी नहीं लगती है. इसके अलावा पेट की समस्या से निजात दिलाता है.

भिंडी में एंटी ऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होती है जो तवना को कम करने में मदद करता है. डायबिटीज का मतलब सिर्फ खाने पीने पर नहीं, अपने लाइफस्टाइल में भी बदलाव करना होता है ताकि आप डायबिटीज को कंट्रोल में रख सकें. तनाव को कम करने से आप इन बीमारियों से बचे रह सकते हैं.

रिसर्च में पाया गया कि डायबिटीज के मरीजों में कोलेस्ट्रोल की मात्रा अधिक होती है. इसलिए हमें डाइट में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर चीजें खाना चाहिए. ताकि कोलेस्ट्रोल के लेवल नियंत्रित रहें.

आप भिंडी का इस्तेमाल कई तरह से कर सकते हैं. आप इसे प्याज और टमाटर के साथ मिलाकर बना सकते हैं. इसके अलावा भिंडी को काटकर रात में पीन में भिगोने के लिए रख दें और सुबह इसका पानी पिएं. आप भिंडी के बीज को सूखाकर पीस लें. डायबिटीज के मरीज के लिए ये पाउडर सप्लीमेंट बहुत फायदेमंद होता है.

फूड स्टीमर का इस्तेमाल करते समय इन बातों का रखें ध्यान

फूड स्टीमर का इस्तेमाल खाद्य पदार्थों को भाप में पकाने के लिए किया जाता है। हालांकि कई लोग फूड स्टीमर का इस्तेमाल करते समय अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनसे न सिर्फ खाने का स्वाद बिगड़ सकता है, बल्कि फूड स्टीमर भी जल्दी खराब हो जाता है। आइए आज आपको बताते हैं कि फूड स्टीमर का इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि किसी भी तरह की गलती की गुंजाइश न रहे।

फूड स्टीमर में खाना पकाते समय पानी की मात्रा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। दरअसल, अगर आप पानी की मात्रा कम या ज्यादा करते हैं तो इससे आपके खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप स्टीम बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हों तो इसके बर्तन में लगभग एक या दो इंच पानी डालें। ध्यान रखें कि पानी बहुत कम भी नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे फूड स्टीमर का पैन जल सकता है।

अगर आपके पास फूड स्टीमर है और आप इसमें पानी और सब्जियों को एक साथ डालकर स्टीमर को ऑन कर देते हैं तो आपको बता दें कि ऐसा करना गलत है। अगर आप यह चाहते हैं कि आपके खाने का स्वाद और टेक्सचर बेहतर रहे तो पहले स्टीमर में पानी डालें और फिर इसमें उबाल आने दें। इसके बाद ही अपनी सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों को फूड स्टीमर में डालें।

कई लोग यह गलती कर बैठते हैं, जिसके कारण भाप में पकने वाले खाने का स्वाद और टेक्सचर दोनों ही बिगड़ जाता है। ध्यान रखें कि फूड स्टीमर में सब्जियों को पकने में कुछ ही समय लगता है। इसलिए उसे लंबे समय तक भाप में न पकाएं। इसके अलावा, आपको इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि खाने को भाप में पकाने के बाद उसे स्टीमर में यूं ही न छोड़ें। इससे खाना ओवरकुक हो सकता है।

अगर आप यह चाहते हैं कि भाप में आपका खाना कम समय में अच्छे से पक जाए तो इसके लिए अपने फूड स्टीमर के ढक्कन को ठीक से लगाएं। दरअसल, अगर फूड स्टीमर का ढक्कन ढीला हुआ तो इससे आपके खाने तक भाप सही से नहीं पहुंचेगी और आपके लिए अपना खाना पकाना अधिक कठिन हो जाएगा। इसलिए फूड स्टीमर का इस्तेमाल करते समय इसके ढक्कन को ठीक से लगाएं।

मेकअप उतारने के साथ प्रोडक्ट्स के साइड इफेक्ट को कम करेंगे ये घरेलू मेकअप रिमूवर

यदि आप मेकअप करने की शौकीन हैं या फिर किसी ऐसे जॉब में हैं जिसमें आपको अपने चेहरे पर मेकअप प्रतिदिन करना होता है, तो आपको निश्चित तौर पर एक बेहतर मेकअप रिमूवर का उपयोग करना चाहिए।

मेकअप को अच्छी तरह उतारने हेतु आप चाहे तो बाजार से किसी बेहतर ब्रांड का मेकअप रिमूवर खरीद सकती हैं या घर पर मौजूद कुछ वस्तुओं से अपना मेकअप सरलता से उतार सकती हैं।

दूध

मेकअप रिमूवर के रूप में कच्चा दूध काफी अच्छा काम करता है। इसे रुई में भिगोकर आप चेहरे पर लगाएं फिर हाथों से हल्की मसाज करके मेकअप को हटा सकती हैं। इसके बाद पानी से मुंह धो लेवे। यदि दूध कच्चा नहीं है तो भी चलेगा, किंतु उसमें थोड़ी सी मलाई मिक्स करके इस्तेमाल कीजिए।

दही

दही का इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह से फेंट लें फिर चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज कीजिए। जब मेकअप पूरी तरह निकल जाए तो चेहरा पानी से धो लेवे।

नारियल तेल

यदि मेकअप हैवी है तो इसके लिए नारियल तेल अच्छा विकल्प है। इसे रुई में लेकर चेहरे का मेकअप साफ कीजिए। नारियल तेल त्वचा को भी पोषण देने का काम करता है।

जैतून का तेल

जैतून का तेल इस्तेमाल करने हेतु एक चम्मच जैतून के तेल में आधा चम्मच पानी को अच्छी तरह मिक्स कीजिए। फिर इससे मेकअप को हल्के हाथों से मसाज करते हुए हटाइए।

मेकअप रिमूवर के तौर पर शहद तथा एलोवेरा का प्रयोग करने हेतु इन दोनों चीजों को मिक्स कीजिए, फिर उसमें थोड़ा नारियल तेल या जैतून का तेल मिलाइए। इसके बाद इसे चेहरे पर लगाकर हल्की मसाज करें और मेकअप हटाइए।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बच्चों को खुश रखने के लिए उन्हें सिखाएं डांस!

बच्चों को खुश और स्वस्थ रखने के लिए डांस एक बेहतरीन तरीका है। यह न केवल उनके शारीरिक विकास में मदद करता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी बनाए रखता है।डांस एक्टिविटी से बच्चे अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं और आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं।इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप बच्चों को डांस एक्टिविटी के माध्यम से खुशी सिखा सकते हैं।

संगीत का चयन करें

बच्चों के लिए सही संगीत का चयन करना बहुत जरूरी है।ऐसा संगीत चुनें, जो बच्चों को पसंद आए और उन्हें नाचने के लिए प्रेरित करे। बच्चों की उम्र और रुचियों के अनुसार गाने चुनें, जैसे कि कार्टून थीम सॉन्ग या लोकप्रिय बाल गीत।इससे बच्चे आसानी से जुड़ाव महसूस करेंगे और डांस करने में मजा आएगा। इसके अलावा संगीत का ताल और लय भी ध्यान में रखें ताकि बच्चे आसानी से उसके साथ तालमेल बिठा सकें।

सरल स्टेप्स सिखाएं

शुरुआत में बच्चों को सरल स्टेप्स सिखाएं ताकि वे आसानी से समझ सकें और उनका आत्मविश्वास बढ़े। छोटे-छोटे कदमों से शुरुआत करें, जैसे कि हाथ हिलाना, पैर चलाना या घुमना।धीरे-धीरे इन स्टेप्स को जोडक़र एक छोटी सी रूटीन बनाएं जिसे बच्चे आसानी से याद कर सकें।बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे खुद भी नए स्टेप्स आजमाएं और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करें। इससे उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा और वे डांस का पूरा आनंद ले सकेंगे।

खेल-खेल में सीखना

बच्चों को खेल-खेल में डांस सिखाना सबसे अच्छा तरीका है।आप म्यूजिकल चेयर, फ्रीज डांस या अन्य मजेदार गेम्स का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें बच्चे बिना किसी दबाव के नाच सकें। इससे वे बिना किसी तनाव के नई चीजें सीखेंगे और उनका ध्यान भी बना रहेगा।इसके अलावा आप बच्चों को अलग-अलग गानों पर नाचने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जिससे वे अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन कर सकें और डांस का पूरा आनंद ले सकें।

समूह गतिविधियां आयोजित करें

समूह गतिविधियों का आयोजन करके बच्चों को टीमवर्क की अहमियत समझाई जा सकती है। ग्रुप डांस प्रैक्टिस करवाएं जहां सभी बच्चे मिलकर एक साथ नाच सकें।इससे उनमें सहयोग की भावना विकसित होगी और वे दूसरों के साथ मिलकर काम करना सीखेंगे।आप बच्चों को अलग-अलग समूहों में बांट सकते हैं और उन्हें कई गानों पर डांस करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इससे वे एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाना सीखेंगे और उनकी रचनात्मकता भी बढ़ेगी।

प्रोत्साहन दें

बच्चों को प्रोत्साहित करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने प्रयासों पर गर्व महसूस करें। उनकी छोटी-छोटी उपलब्धियों पर तारीफ करें और उन्हें आगे बढऩे की प्रेरणा दें।जब बच्चे देखेंगे कि उनके प्रयासों की सराहना हो रही है तो वे अधिक उत्साहित होकर बेहतर प्रदर्शन करेंगे।सही संगीत का चयन, सरल स्टेप्स सिखाना, खेल-खेल में सीखना, समूह गतिविधियां आयोजित करना और प्रोत्साहन देना, ये सभी तरीके आपके बच्चों को खुश रखने में मदद करेंगे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -63

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

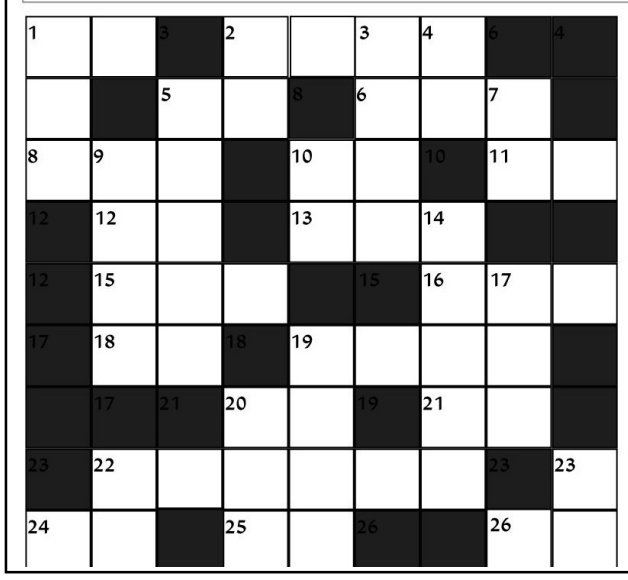

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 62 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

गेमचेंजर से राम चरण-कियारा का रोमांटिक सॉन्ग पोस्टर आउट

राम चरण और कियारा आडवाणी जल्द ही गेम चेंजर में नजर आएंगे. टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है जिसने पहले ही फिल्म के लिए एक्साइटमेंट बढ़ा दी है. अब मेकर्स ने आज फिल्म के अपकमिंग तीसरे गाने का नया पोस्टर शेयर किया है.

शंकर शनमुघम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर राम चरण और कियारा का नया रोमांटिक पोस्टर शेयर किया. मैचिंग लैवेंडर कलर के आउटफिट में दोनों काफी खूबसूरत और रोमांटिक लग रहे हैं. इसकी अनाउंसमेंट होते ही फैंस ने कमेंट सेक्शन में प्यार बरसाना शुरु कर दिया. एक ने लिखा, फिल्म गेम चेंजर की पूरी टीम को बधाई, गाने का पोस्टर शानदार है गाना भी जबरदस्त होगा. एक ने लिखा- वाह क्या जोड़ी है. एक ने कमेंट किया- पोस्टर इतना रोमांटिक है तो गाना कितना रोमांटिक होगा.

गेम चेंजर के साथ निर्देशक एस शंकर कमबैक करने जा रहे हैं. जो पॉलीटिकल थ्रिलर बनाने के लिए जाने जाते हैं. इस फिल्म में, राम चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाते हैं, जो एक भ्रष्ट व्यवस्था से मुकाबला करता है और अपनी भूमिका में दिमाग और साहस दोनों लाता है. एक मिनट से अधिक के टीजर में यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाले एक स्टूडेंट से शक्तिशाली दुश्मनों से निडर होकर एक सरकारी अधिकारी बनने के उनके ट्रांजिशन को दर्शाया गया है. कियारा आडवाणी की झलक भी टीजर में दिखाई देती है यह पहली बार है जब कियारा और राम चरण स्क्रीन शेयर कर रहे हैं. इसके लिए भी फैंस काफी एक्साइटेड हैं. राम चरण और कियारा की गेम चेंजर 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

टैक्स फ्री होते ही बॉक्स ऑफिस पर छाई द साबरमती रिपोर्ट

विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट 15 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी. लेकिन ये फिल्म पर्दे पर आने से पहले से ही चर्चा में बनी हुई है. रिलीज के बाद फिल्म ने भले ही शानदार ओपनिंग ना की हो लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह तक ने इसकी तारीफ की है. देश के कई राज्यों में द साबरमती रिपोर्ट टैक्स फ्री भी हो गई है जिसके बाद फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोतरी हो गई है. फिल्म के प्रोडक्शन हाउस के मुताबिक द साबरमती रिपोर्ट ने पहले हफ्ते 14.3 करोड़ रुपए कमाए थे. दूसरे शुक्रवार फिल्म ने 1.86 करोड़ कमाए थे. वहीं अब दूसरे शनिवार द साबरमती रिपोर्ट ने कुल 2.6 करोड़ रुपए का कारोबार किया है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब विक्रांत मैसी की फिल्म ने कुल 18.99 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.

बता दें कि देश के कई राज्यों की सरकारों ने गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को टैक्स फ्री कर दिया है. छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश और यूपी में फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया गया है. हाल ही में द साबरमती रिपोर्ट की देश के गृह मंत्री ने फिल्म की स्टार कास्ट से मुलाकात की थी. विक्रांत मैसी ने मीटिंग की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर भी की हैं. विक्रांत ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा- माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी, आपके दयालु शब्दों और मान्यता के लिए धन्यवाद. द साबरमती रिपोर्ट की आपकी सराहना और सच्चाई को उजागर करने के इसके साहसिक प्रयास, जैसा कि फिल्म हाइलाइट करती है- इतिहास का आईना कभी झूठ नहीं बोलता, हमारी टीम को अनकही कहानियों पर रोशनी डालना जारी रखने के लिए इंस्पायर करता है.

आई वॉन्ट टू टॉक की कमाई में मामुली बढ़ोतरी

अभिषेक बच्चन इन दिनों फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। 22 नवंबर को उनकी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी और खास बात यह है कि ज्यादातर समीक्षकों ने फिल्म की तारीफ की। खासकर अभिषेक ने अपने शानदार अभिनय के लिए खूब वाहवाही लूटी।हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन बेहद खराब प्रदर्शन करने के बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी हुई है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, आई वॉन्ट टू टॉक ने पहले दिन 25 लाख रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था।पहले दिन इतनी खराब ओपनिंग लेने के बाद दूसरे दिन फिल्म को वीकेंड का फायदा मिला।

यह फिल्म एनआरआई अर्जुन सेन की कहानी दिखाती है, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा है, लेकिन वो अपनी बीमारी से तंग आकर हार नहीं मानता, बल्कि कैंसर से लडने् के लिए हर मुमकिन कोशिश करता है।अभिषेक के साथ अभिनेत्री अहिल्या बामरू भी फिल्म में अहम भूमिका अदा करती नजर आई हैं।अभिषेक को पर्दे पर देख लगता है मानों उन्होंने अर्जुन की भूमिका घूंटकर पी ली हो। इस फिल्म के निर्देशक शूजीत सरकार हैं।

सरदार उधम के बाद शूजित ने फिर मर्मस्पर्शी विषय को छुआ है। फिल्म धीमी गति से बढ़ती है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन पिता-पुत्री के संबंधों के साथ मेडिकल दिक्कतों को दर्शाते हुए यह उसे औरे मार्मिक बनाती है।तमाम स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे अर्जुन की अंदरुनी भावनाओं, तकलीफों और मनोदशा को शूजित खामोशियों के साथ सहजता से व्यक्त करते हैं। एक पिता की मनोदशा को शूजीत ने सहजता से पर्दे पर उतारा है।

नुसरत भरूचा ने स्टाइलिश लहंगा पहन शेयर किया ग्लैमरस लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से इंस्टाग्राम पर तबाही मचाती रहती हैं। उनका सिजलिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं।

इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने रेड कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है। ओपन हेयर, गले में नेकलेस और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट कर दिया है। नुसरत भरूचा की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं वो कैमरे के सामने सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

यामिनी मल्होत्रा की बिग बॉस 18 में एंट्री

बिग बॉस सीजन 18 में इन दिनों वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर काफी चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में खबर है कि तीन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शो में शामिल होंगे। उनमें से एक कंटेस्टेंट यामिनी मल्होत्रा है। बता दें कि यामिनी टीवी के हिट शो 'गुम है किसी के प्यार में' के लिए जानी जाती हैं। इस शो में उन्होंन शिवानी चव्हाण का किरदार निभाया था। बिग बॉस 18 अब और भी ज्यादा इंटरस्टिंग होने वाला है। इस शो में तीन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री होने वाली है। हालांकि घर में रह बंद प्रतिभागियों की मुश्किल और भी ज्यादा बढने् वाली है। ऐसी खबर है कि शो में ग्लैमर का तडक़ा लगाने के लिए तीन नए वाइल्डकार्ड की एंट्री होने वाली है। ये तीन वाइल्ड कार्ड एंट्री हैं अदिति मिस्त्री, एडिन रोज और यामिनी मल्होत्रा। चलिए बताते हैं तीनों वाइल्ड कार्ड में से एक यामिनी मल्होत्रा के बारे में।

यामिनी मल्होत्रा टीवी इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। उन्होंने 'गुम है किसी के प्यार में' सीरियल में शिवानी चव्हाण का रोल निभाया था। इस शो में दर्शकों ने उन्हें खूब पसंद भी किया था। हालांकि एक्ट्रेस ने बीच में ही यह शो छोड़ दिया था जिसके बाद उनकी भूमिका तन्वी ठक्कर ने निभाई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यामिनी अभिनेत्री होने के साथ एक डेंटिस्ट भी हैं। एक्टिंग से पहले एक्ट्रेस ब्रांडो के कई विज्ञापनों का हिस्सा भी रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें एक मिलियन से ज्यादा यूजर्स फॉलो करते हैं। वहीं, एक्ट्रेस का यूट्यूब चैनल भी है जिसपर उन्हें 76 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

अगर एक्ट्रेस के नेटवर्थ की बात करें तो उनकी कुल संपत्ति लगभाग 4 करोड़ रुपये के आसपास है। ये ही नहीं एक्ट्रेस यामिनी सोशल मीडिया से भी तगड़ी कमाई करती हैं।

बता दें कि यामिनी ने घर में जाने से पहले इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने घर के अंदर के कुछ लोगों पर निशाना साधा और उन्हें फेक बताया है। उन्होंने रजत दलाल को कहा की वो अच्छा खेलते हैं और किसी भी मुद्दे पर खुलकर बात करते हैं। वहीं उन्होंने शिल्पा को फेक बताया है।

यामिनी ने ईशा, एलिस, अविनाश और विवियन को लेकर कहा कि वह लोग केवल घर में बैठकर चुगली करते हैं। वहीं, चुम को उन्होंने प्यारी कहा है।

जलवायु संकट अभी भी मुद्दा नहीं

श्रुति व्यास

जलवायु संकट देश, नस्ल, धर्म और जाति के भेद के बिना सभी को मार रहा है, बरबादी की और ले जा रहा है लेकिन देशों और नेताओं के लिए अभी भी मुद्दा नहीं बना है।

वर्ष 2024 रिकार्ड बना रहा है। रोजाना जबरदस्त गर्मी और विनाशकारी तूफान की खबरें आ रही है। लोगों की जिंदगी और जीविका के साधन ताश के पत्तों के ढेर की तरह ढहते दिख रहे है।

इस साल गर्मी के मौसम में ऐसे मौके भी आए जब सब कुछ नष्ट होना लगभग अवश्यंभावी दिख रहा था। मौसमी उन्माद के साथ-साथ बीमारियों में भी बढ़ोतरी है। बीमारियां अजीब और अप्राकृतिक है।

हाल में हमारे पारिवारिक चिकित्सक ने बताया कि इस प्रकार का डेंगू फैल रहा है जिसमें सिर्फ प्लेटलेट्स की संख्या ही नहीं घटती बल्कि एक दिन बुखार आता है और उसके बाद कई दिनों तक नहीं आता और एसजीपीटी और एसजीओटी (लीवर की स्थिति बताने वाले दो हारमोन) के स्तर में तेज वृद्धि होती है।

इसलिए यदि आपको आज बुखार है तो मेहरबानी करके कल ही अपनी जांच करवा लें। जोखिम उठाना ठीक नहीं।

काफी जटिल स्थितियां का दौर है। और कोई भी इन जटिलताओं की मूल वजह - जलवायु में बदलाव - को गंभीरता से लेने के लिए तैयार नहीं है। न तो राजनैतिक बहस-मुबाहिसों में और न चुनावी चर्चाओं में इसका ज़िक्र होता है।

पिछली गर्मियों में हुए हमारे आम चुनाव के दौरान जलवायु संकट चर्चा का मुद्दा नहीं था। इन दिनों दो राज्यों में चुनाव हो रहे है, लेकिन किसी भी छोटे-बड़े राजनैतिक दल या उसके किसी नेता ने इस बारे में कुछ भी नहीं कहा है।

महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जिसे जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव झेलना पड़ा है - ग्रामीण क्षेत्रों में बार-बार पडने़ वाले सूखे से लेकर शहरी इलाकों में आने वाली बाढ़ तक। लेकिन वहां भी नौकरियाँ, आरक्षण, मुफ्त अनाज और साम्प्रदायिकता ही मुख्य मुद्दे हैं।

यदि हम अपेक्षाकृत बड़े कैनवास पर बात करें तो ट्रंप के दुबारा चुनाव जीतने से सीओपी29 (संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन) और भविष्य में होने वाले जलवायु सम्मेलनों पर अनिश्चिता के काले बादल घिर आए हैं।

फिलहाल वर्ष का वह समय है जब दुनिया भर के नेता, वैज्ञानिक, उद्योगपति, स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अजरबेजान के बाकू शहर में एकत्रित होकर धरती पर आपके और हमारे भविष्य के बारे में विचार कर रहे हैं।

वे शुद्ध पानी और विशुद्ध वाइन की चुस्कियां लेते हुए वैश्विक तापमान में वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के लिए ग्रीन हाउस गैसों का उर्त्सजन कम करने के बारे में चिंतन-मनन कर रहे हैं।

सीओपी की यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें धन और निवेश जुटाने का मुद्दा प्रतिनिधियों के सामने होगा। सन 2009 में अगले 15 सालों में क्लाइमेट चेंज संबंधी काम के लिए 100 अरब डॉलर आवंटित किये गए थे।

इस आवंटन को खर्च करने की सीमा 2024 के अंत में समाप्त हो जाएगी। जाहिर है कि विकासशील देशों को हरित ऊर्जा स्त्रोत विकसित करने और अपेक्षाकृत गर्म धरती के साथ तालमेल बिठाने के लिए धन उपलब्ध करवाना ज़रूरी है। और अभी तो इसके लिए धन की व्यवस्था ही नहीं है।

कोई बड़ा समझौता होने की उम्मीद बहुत कम है। पहले से ही सीओपी में कड़वाहट घुल चुकी है। पापुआ न्यू गिनी ने यह कहते हुए सीओपी29 का बहिष्कार करने की घोषणा की है कि %यह समय की बर्बादी है'।

उसका तर्क है कि %साल दर साल बड़ी मात्रा में प्रदूषणकारी गैसों का उर्त्सजन करने वाले देश अपने वायदों पर खरा उतरने में असफल हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भी सम्मेलन में शामिल नहीं होने की संभावना है।

आशंका है कि जिन नेताओं के बड़े फैसलों की उम्मीद की जा रही थी, वे नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप की जीत का असर भी दिखेगा जो जलवायु परिवर्तन को एक कोरी धमकी' बताते हैं और ऐसी अपेक्षा है कि वे राष्ट्रपति का पद संभालते ही अमेरिका के ऐतिहासिक पेरिस समझौते से हटने के अपने पिछले कार्यकाल में लिए गए निर्णय को दुहराएंगे।

कुछ दिन पहले सीओपी29 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इल्योर सोल्तानोव, जो अजरबेजान के ऊर्जा उपमंत्री भी हैं, की एक रिर्काडिंग सामने आई थी जिसमें वे जलवायु सम्मेलन में फोसिल फ्यूल्स (मुख्यतः पेट्रोलियम और कोयला) के आगे भी उपयोग किये जाने के मुद्दे पर समझौते के लिए सहमत होते सुने जा सकते हैं।

जलवायु संकट एक ऐसी समस्या है जो नस्ल, धर्म और जाति के भेद के बिना सभी को प्रभावित करती है। इसके बावजूद यह एक ज्वलंत मुद्दा, राजनैतिक स्तर पर चिंता उत्पन्न करने वाला मुद्दा नहीं बन सका है।

जलवायु परिवर्तन सम्मेलनों पर होने वाला खर्च अब बोझ बनता जा रहा है। सीओपी29 में कोई कड़े फैसले नहीं होंगे। होगा सिर्फ यह कि विभिन्न राष्ट्र आगे भी विचार-विमर्श जारी रखने पर राजी हो जाएंगे। वक्त कम है और उम्मीद की लौ बुझती जा रही है।

सू- दोकू क्र. 63

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.62का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भारतीय प्रवासियों के लिए चिंताजनक संकेत

चार नवंबर को कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में हिंदू समुदाय के लोगों ने जो शक्ति प्रदर्शन किया, उसने वहां के अधिकारियों के कान खड़े कर दिए हैँ। संभवतः इसी कारण उनका रुख सख्त हो गया है। इसकी पहली मिसाल ब्रैम्पटन के मेयर की सक्रियता में दिखी। स्पष्टतः उनकी ही पहल का परिणाम था कि गुरुद्वारों ने खालिस्तानी सिखों की तरफ हिंदू मंदिर के बाहर हुए उग्र प्रदर्शन की निंदा की। दूसरी तरफ हिंदू मंदिर प्रबंधन ने अपने मुख्य पुजारी को निलंबित किया, जिनके हेट स्पीच के वीडियो वायरल हुए थे। इसके एक ही दिन बाद खबर आई कि मंदिर प्रबंधन ने पुजारी से माफी पत्र लेकर पुजारी को बहाल कर दिया है।

उधर उसी रोज इलाके पुलिस ने एलान किया कि भीड़ को भडक़ाने और कथित नफरती भाषण देने के आरोप में हिंदू समुदाय के तीन %नेताओं' को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने और गिरफ्तारियों की संभावना जताई है। चर्चा है कि जिन भारतीय आव्रजकों के दस्तावेज दुरुस्त नहीं होंगे, उन्हें कनाडा से वापस भी भेजा जा सकता है। ब्रिटेन के लीस्टर शहर में सितंबर 2022 में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के बाशिंदों के बीच दंगे हुए थे। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के कुछ शहरों में हिंदू-सिख तनाव और झड़पों की खबरें रही हैं। ऐसा लगता है कि इन तमाम घटनाओं की रोशनी में इन देशों में राय बनी है कि भारत का अंदरूनी सांप्रदायिक टकराव अब निर्यात होकर उनके यहां पहुंच रहा है, जिससे आगे चल वहां कानून-व्यवस्था की बड़ी चुनौती पैदा हो सकती है। गौरतलब है कि कनाडा की कार्रवाइयों को इन तमाम देशों का समर्थन हासिल है। उन देशों में बड़ी संख्या में रहने वाले भारतीय प्रवासियों के लिए यह चिंताजनक संकेत है। उनकी प्रतिष्ठा के लिए बड़ा जोखिम पैदा हो रहा है। भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता इस स्थिति को सुधारना होनी चाहिए। मगर नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता देश के अंदर अपनी मर्दाना छवि को पुख्ता करने की बनी हुई है। इस कारण खासकर कनाडा से संवाद करने और दोनों समुदायों के बीच मेलमिलाप के लिए उनकी तरफ से पहल की संभावना न्यूनतम ही है।(आरएनएस)

ऐसा लगता है कि हालिया घटनाओं की रोशनी में कनाडा और उसके साथी देशों में राय बनी है कि भारत का अंदरुनी सांप्रदायिक टकराव अब निर्यात होकर उनके यहां पहुंच रहा है, जिससे आगे चल वहां कानून-व्यवस्था की बड़ी चुनौती पैदा हो सकती है।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में एक और पेच पडने़ का अंदेशा

मोहम्मद युनूस ने शेख हसीना को प्रत्यर्पित कराने का इरादा जताया है। बांग्लादेश में शेख़ हसीना के हटने के बाद से युनूस की अंतरिम सरकार ने पहले भी कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिन्हें भारत के हित में नहीं माना जा सकता।

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार (जिनके हाथ में वास्तविक सत्ता है) मोहम्मद युनूस की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित कराने की ताजा घोषणा से भारत-बांग्लादेश रिश्तों में एक और पेच पडने़ का अंदेशा है। युनूस ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के 100 दिन पूरा होने के मौके पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि उनकी सरकार भारत से हसीना को वापस भेजने को कहेगी, ताकि जुलाई-अगस्त के छात्र आंदोलन में हुई मौतों के लिए उनकी जवाबदेही तय की जा सके। बांग्लादेश यह मांग औपचारिक रूप से सामने रखता है, तो भारत के लिए एक बड़ा असमंजस पैदा होगा। वैसे भी बांग्लादेश में शेख़ हसीना के हटने के बाद से कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन्हें भारत के हित में नहीं माना जा सकता।

अभी पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान का एक मालवाहक पोत कराची से चल कर बांग्लादेश के दक्षिणपूर्वी तट पर स्थित चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा। 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध के बाद से दोनों देशों में पहली बार सीधा समुद्री संपर्क हुआ है। इससे पहले दोनों देशों के बीच समुद्री व्यापार सिंगापुर या कोलंबो के ज़रिए होता था।

खुद बांग्लादेश ने इस घटना को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों में महत्त्वपूर्ण क़दम की शुरुआत बताया है। कहा है कि इस रूट पर समुद्री संपर्क बनना दोनों देश के बीच सप्लाई चेन को आसान बनाएगा, परिवहन के समय में कमी आएगी और आपसी व्यवसाय के लिए नए अवसरों के दरवाज़े खुलेंगे।

यह निर्विवाद है कि यह सीधा समुद्री संपर्क पाकिस्तान और बांग्लादेश के राजनयिक रिश्तों में एक ऐतिहासिक बदलाव का संकेत है। इसके पहले खबर आई थी कि दोनों देश एक परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसके तहत पाकिस्तान परमाणु बिजली संयंत्र लगाने में बांग्लादेश की मदद करेगा। स्पष्टतः युनूस की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान से रिश्तों में गर्माहट लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। यह घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का पहलू है। आम संबंधों के साथ दोनों देशों के उग्रवादी तत्वों के बीच संपर्क बनना भी आसान हो सकता है। लेकिन इस मामले में भारत कुछ कर सकने की स्थिति में नहीं दिखता। (आरएनएस)

मुख्य विकास अधिकारी ने पेयजल योजना का किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत निर्मित जमालपुर कलां पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया।

आज यहां मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत निर्मित जमालपुर कलां पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि योजनान्तर्गत गुणवत्तायुक्त पेयजल की आपूर्ति की जाये, पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि पेयजल आपूर्ति एवं लाइन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसे तत्काल दूर करने के लिए टीम तैनात की जाये तथा टीम का सम्पर्क नम्बर भी सार्वजनिक किया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के सभी पम्प हाउस की पेयजल गुणवत्ता का तुलनात्मक चार्ट उपलब्ध कराया जाये। इन निर्मित पेयजल टैंकों से पानी की आपूर्ति के बारे में ग्राम वासियों तथा ग्राम प्रधान से जानकारी भी ली गयी, गांव वासियों और ग्राम प्रधान ने बताया कि कहीं कोई परेशानी नहीं है पाइपलाइन में भी कोई दिक्कत समस्या नहीं है अगर कहीं भी कोई लीकेज होती है ती उसको तुरंत ठीक कर दिया जाता है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप पेयजल योजना के डब्ल्यूटीपी, इंटेकवेल , सीडब्ल्यूआर, क्लियर वाटर राइजिंगमेन, वितरण प्रणाली, हाउस कनेक्शन और जमालपुर कला के पूर्ण ले-आउट आदि की समीक्षा की। मुख्य विकास अधिकारी ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि जो पुरानी योजनाएं हैं उसका रखरखाव और ऑपरेटर जल संस्थान देख रहा है और जो नई योजनाएं बनाई गई है उसको सम्बन्धित कार्यदायी संस्था देख रही है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि योजनान्तर्गत अंशदान राशि वसूलने की कार्यवाही की जाये। अधिशासी अभियन्ता जल निगम ने बताया की 500 तथा 4500 किलो लीटर क्षमता के दो टैंक बनाये गये हैं जिनसे 5 हजार परिवारों को कवर किया गया है। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सिविल राजेश कुमार गुप्ता, अधिशासी अभियंता ईएनएम चारु अग्रवाल, एई भूपेंद्र सिंह फर्स्वाण, कांट्रेक्टर सौरभ गोयल, ग्राम प्रधान हरेंद्र सिंह, पीवीडीओ इंदु बाला, वार्ड मेंबर शाहनवाज शाह आदि उपस्थित थे।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के सचिवालय घेराव कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आये युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब का कांग्रेस पदाधिकारियों ने एयरपोर्ट में स्वागत किया।

आज भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब का उत्तराखंड आगमन पर देहरादून एयरपोर्ट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष के आज सुबह नौ बजे की इंडिगो फ्लाइट से देहरादून एयरपोर्ट पहुंचने पर कांग्रेस व युवा कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि आज उत्तराखंड युवा कांग्रेस द्वारा प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को लेकर सचिवालय घेराव किया जाएगा, जिस कार्यक्रम में युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब उपस्थित रहेंगे। इस घेराव कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रदेश के हर जिले से हजारों युवा कांग्रेस कार्यकर्ता देहरादून पहुंच रहे हैं। स्वागत करने वालों में परवादून कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर, उत्तराखण्ड युवा कांग्रेस प्रदेश प्रभारी शिवि चौहान,राष्ट्रीय सचिव, कांग्रेस संचार विभाग वैभव वालिया, युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत भट्ट, राष्ट्रीय संयोजक कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग गौतम नौटियाल, कांग्रेस जिला महासचिव राहुल सैनी, आरिफ अली, शुभम काम्बोज, साहिल, राहुल आर्य आदि उपस्थित रहे।

आईएसबीटी, कारगी, टर्नर रोड का जाम व जलभराव का करना है निदानः डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि आईएसबीटी, कारगी, टर्नर रोड का जाम व जलभराव का निदान करना ही है।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में आईएसबीटी में यातायात समस्या के समाधान के सम्बन्ध में रेखीय विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। डीएमने आईएसबीटी पर अनाधिकृतरूप से वाहन खड़े होने पर रेखीय विभागों को लगाई फटकार लगाते हुए तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। वहीं सड़क सुधारीकरण एवं ड्रेनेज कार्यों में विलम्ब पर डीएम ने कहा बहाने बाजी के स्थान पर धरातल पर दिखना चाहिए सुधार। डीएम ने आईएसबीटी पर अधिक जाम लगने का कारण पूछने पर अधिकारियों ने बताया कि वहां पर वाहनों के सवारी चढाने-उतारने, अनाधिकृत रूप से पार्क होने पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। जिस पर जिलाधिकारी ने एसपी यातायात एवं एआरटीओ को निर्देशित किया कि यदि आईएसबीटी के बाहर वाहन खडेघ पाए जाने पर सबको सीज की कार्यवाही करते हुए रेंजर्स ग्राउण्ड में एकत्रित करें। साथ ही यूटीसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित करें कि वाहन एन्ट्री एवं एक्जिट गेट का प्रयोग करें तथा परिसर के अन्दर से ही सवारी बैठाएं तथा उतारें। परिसर के बाहर सवारी चढाने-उतारने पर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सड़क चौड़ीकरण एवं जलभराव सुधार कार्यों में विलम्बर पर डीएम ने रेखी विभागों की कोई तकरीर नही सुनी। उन्होंने स्पष्ट निर्देशत दिए कि सड़क सुधारीकरण कार्य तत्काल शुरू करें तथा आईएसबीटी पर ड्रेनेज कार्यों का सुधार अगली वर्षा से पूर्व किसी भी दशा में करना है, यह अधिकारी सुनिश्चित कर लें । इस दौरान जिलाधिकारी कारगी चौक, आईएसबीटी आदि आसपास के क्षेत्रों में पुलिस के ड्रोन कैमरे के माध्यम से संचालित यातायात व्यवस्था का सजीव प्रसारण देखा। जिलाधिकारी ने पाया कि आईएसबीटी परिसर के बाहर वाहन सड़क पर सवारी उतार और चढा रहें है तथा अनावश्यक वाहन भी सड़क बेतरतीब खड़े पाए गए। जिस पर जिलाधिकारी ने ऐसे वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाने के निर्देश सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करें कि निर्धारित स्टापेज पर ही वाहन रूके, अपनी मर्जी से कहीं भी सवारी उतारने व चढाने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करें, परिवहन विभाग एवं आरटीओ। बैठक में सड़क सुधारीकरण को नोडल अधिकारी/उप जिलाधिकारी सदर, अधिशासी अभियंता लोनिवि एवं अन्य अधिकारियों द्वारा किए जा रहे निरीक्षण में कई बिन्दु सामने आए हैं, जिनपर सुधारीकरण की कार्यवाही की जाने हेतु बैठक बुलाई गई। अपर नगर आयुक्त बीर सिंह बुदियाल, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, पुलिस अधीक्षक यातायात मुकेश कुमार, अधि.अभि लोनिवि जितेन्द्र कुमार त्रिपाटी, प्रवीण करवाल, जीएम यूटीसी प्रवीन मेहरा, एजीएम के.पी सिंह, राजीव गुप्ता, एनएचआई देहरादून रोहित पंवार,एनएच से नवीन कौशिक आदि उपस्थित रहे।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान पर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनीकी रेती निवासी शूरवीर सिंह ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल तुलसी होटल के पास खाली प्लाट में खडी की थी लेकिन जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

किरायेदार की बिजली काटकर दी जान से मारने की धमकी

संवाददाता

देहरादून। किरायेदार की बिजली काटकर उसको जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुडबुडा मौहल्ला निवासी हर्षिता सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह और उसकी मां यहाँ खुडबुडा में डेढ साल से रहती है।

उनके मकान संजीव नारायण शर्मा ने उनकी बिजली काट दी है बिना किसी नोटिस के और उन्हें लगातार डरा व धमका रहा है। वो उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहा है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ब्लाक प्रमुख व प्रधान भी बनेंगे प्रशासक

❑प्रतिनिधिमंडल ने की पंचायतीराज सचिव से वार्ता

विशेष संवाददाता

देहरादून। जिला पंचायत अध्यक्षों को पंचायतों का प्रशासक नियुक्त किये जाने का मामला अब सरकार के गले की फांस बनता जा रहा है। ब्लाक प्रमुख और प्रधान अब स्वंय को प्रशासक नियुक्त करने की मांग पर अड़े हुए है। ब्लाक प्रमुख और ग्राम प्रधानों के एक प्रतिनिधि मंडल ने आज पचांयती राज विभाग के सचिव से मिलकर उनके सामने अपना पक्ष रखा जिस पर उन्हे उचित कार्यवाही करने का आश्वासन भी दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पचांयतो का कार्यकाल बीते 27 नवम्बर को समाप्त होने के बाद सरकार द्वारा 12 जिलों के पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त कर दिया गया था। सरकार के इस फैसले से आहत ब्लाक अध्यक्ष व ग्राम प्रधानों के एक प्रतिनिधि मंडल ने अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते हुए अपने-अपने क्षेत्र का प्रशासक नियुक्त करने की मांग को लेकर कल मंगलवार को मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की थी। सीएम धामी ने ही उनसे पंचायती राज सचिव चन्द्रेश राज से मिलने को कहा था।

ब्लाक प्रमुख संघ के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में आज ब्लाक प्रमुख और ग्राम प्रधानों का एक प्रतिनिधि मंडल सचिव चन्द्रेश राज से मिलकर उनके सामने अपना पक्ष रखा और अपने आप को प्रशासक नियुक्त करने की मांग की। महेन्द्र सिंह का कहना है कि इस मुद्दे पर उनकी लम्बी और सकारात्मक वार्ता हुई है तथा इन बातों के दौरान पंचायती राज एक्ट पर भी चर्चा हुई है। उन्होने कहा कि बातचीत सकारात्मक माहौल मे हुई है। तथा उन्हे उम्मीद है कि जल्द ही उन्हे कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। उनके बयान का अर्थ है कि ब्लाक प्रमुखों और ग्राम प्रधानों को भी उनके क्षेत्र का प्रशासक नियुक्त किया जा सकता है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जिला पचायत अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त किये जाने के बाद ब्लाक प्रमुख तथा ग्राम प्रधानो में भारी नाराजगी है। तथा वह स्वंय को भी प्रशासक बनाने की मांग कर रहे है। जिसे लेकर घमासान मचा हुआ है। इस मुद्दे पर असमंजस में फंसी सरकार आगे क्या फैसला लेती है अलग बात है। लेकिन वह एक भूल सुधार के लिए क्या एक और गलत फैसला करने जा रही है। क्योकि विपक्ष इसे लेकर पहले ही विरोध कर रहा है।

एक नजर

सस्पेंस खत्मः देवेंद्र फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री

मुंबई । देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। बुधवार सुबह बीजेपी की कोर कमेटी ने सारा सस्पेंस खत्म करते हुए उनके नाम पर मुहर लगा दी। इसके बाद बीजेपी के विधायक दल की बैठक में फडणवीस को विधायक दल का नेता चुना गया। बैठक में सुधीर मुनगंटीवार और चंद्रकांत पाटिल ने फडणवीस के नाम का प्रस्ताव रखा। पंकजा मुंडे ने उनके नाम का समर्थन किया। बीजेपी की विधायक दल की बैठक में विजय रूपाणी के साथ पर्यवेक्षण बनाकर भेजीं गईं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फडणवीस की जमकर तारीफ की। साथ ही बीजेपी के चुनावी नारे हम एक हैं, तो सेफ हैं का भी जिक्र किया। सीएम के नाम पर मुहर रखने के बाद 5 तारीख को शपथ ग्रहण होगा, इसके लिए आजाद मैदान में तैयारियां की जा रही हैं। निर्मला सीतारमण ने देवेंद्र फडणवीस को बीजेपी विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई दी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित विधि मंडल के नेता के तौर पर देवेंद्र फडणवीस का नाम तय हुआ है। महाराष्ट्र की जनता ने पूरे भारत को संदेश दिया है। ये कोई रेगुलर विधानसभा चुनाव नहीं था। हरियाणा और महाराष्ट्र की जीत से देश की जनता को साफ संदेश मिला है। जनता ने अपने अनुभव के अनुसार बीजेपी को चुना है। महाराष्ट्र की जनता जानती थी कि पिछली कांग्रेस की सरकार विकास के रास्ते में रुकावट की तरह थी। जनता उससे बहुत दुखी थी यही वजह है कि आज जनता ने स्पष्ट ने निर्देश दिया है। मैं ये जरूर कहना चाहती हूं कि मोदी जी की नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार महाराष्ट्र के विकास के लिए बेहद जरूरी है। हम महाराष्ट्र को आगे लेकर जाएंगे।

किसानों की महापंचायत शुरू, टिकैत लिए गये हिरासत में

गौतमबुद्धनगर (हसं)। किसान आंदोलन में शामिल होने आ रहे किसान नेता व भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत व अन्य किसान नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वहीं किसानों की महापंचायत भी शुरू हो गयी है। ग्रेटर नोएडा के 'जीरो प्वाइंट' पर हो रही किसानों की महापंचायत में शामिल होने के लिए आ रहे किसान नेता राकेश टिकैत जैसे ही यमुना एक्सप्रेस-वे पर टप्पल थाना क्षेत्र में पहुंचे। वहां पुलिस प्रशासन ने उनकी कार को रोक लिया और राकेश टिकैत को कार से बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस और किसान नेताओं के बीच जमकर नोक-झोंक हुई और एक्सप्रेस-वे की एक साइड पूरी तरह से अवरुद्ध कर दी गई। फिलहाल उन्हे टप्पल थाना क्षेत्र में रखा गया है। अलीगढ़ के डीएम और एसपी भी मौके पर मौजूद है।

राहुल व प्रियंका गांधी को संभल जाने की नहीं मिली इजाजत, लौटे दिल्ली

गाजियाबाद। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार को संभल के लिए निकले थे लेकिन उन्हें यूपी बॉर्डर पर ही रोक दिया गया और उनका काफिला आगे नहीं बढ़ सका। राहुल और प्रियंका के काफिले को वापस दिल्ली भेज दिया गया। इसके बाद, सभी कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता दिल्ली की तरफ लौट गए। दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर पुलिस के द्वारा रोके जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा, पुलिस की गाड़ी में ही हममें से पांच लोगों को संभल ले चलिए। इसके बाद राहुल गांधी ने पुलिस से मांग की है कि मुझे अकेला संभल जाने की अनुमति दी जाए। उन्होंने पुलिस से कहा, मैं आपकी गाड़ी में संभल जाऊंगा, ले चलिए मुझे। राहुल की इस मांग पर भी प्रशासन ने हामी नहीं भरी और राहुल गांधी के काफिले को उत्तर प्रदेश बॉर्डर पर रोक दिया। राहुल गांधी ने कहा, हम संभल जाना चाहते है, पुलिस रोक रही है। नेता विपक्ष के नेता होने के नाते मैं जा सकता हूं। मैं अकेला जाने को तैयार हूं, मैं पुलिस के साथ जाने को तैयार हूं। मेरा अधिकार है कि मैं वहां जाऊं। संविधान के तहत मैं जा सकता हूं, हम देखना चाहते है कि संभल में क्या हुआ। हम लोगों से मिलना चाहते हैं, मेरा अधिकार मुझे नहीं दिया जा रहा है। ये लोग लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं, हम लड़ते रहेंगे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, जो संभल में हुआ वो गलत है। राहुल जी नेता विपक्ष हैं, उनको नहीं रोक सकते। पुलिस उनका अधिकार छीन रही है। सोचिए कि यूपी की स्थिति क्या है, यूपी का लॉ एंड ऑर्डर खराब है।

उपनिषदों और वेदों का ज्ञान हमारे लिए प्रासंगिक हो जाता हैः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने कहा कि जिस प्रकार से ज्ञान-विज्ञान आगे बढ़ रहा है, तब उपनिषदों और वेदों का ज्ञान हमारे लिए और भी प्रासांगिक हो जाता है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रकाश सुमन ध्यानी द्वारा लिखित पुस्तक 'उपनिषदीय दर्शन बोध' का विमोचन किया। पुस्तक विमोचन के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूरी भूषण एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने 'उपनिषदीय दर्शन बोध' पुस्तक के लेखक प्रकाश सुमन ध्यानी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे भारतीय वैदिक दर्शन और सनातन संस्कृति के संभावक के रूप में एक नई पहचान स्थापित कर रहे हैं। इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने उपनिषद के जटिल और गूढ़ रहस्यों को साधारण तरीके से लिखा है। भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों को सबके समक्ष रखा है। उपनिषद भारतीय संस्कृति और दर्शन की अमूल्य निधि है, जिसने संपूर्ण विश्व को ज्ञान और चेतना का मार्ग दिखाया है। हमारी ज्ञान परंपरा संपूर्ण विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम के रूप में मानती है। उपनिषद

❑मुख्यमंत्री ने किया उपनिषदीय दर्शन बोध पुस्तक का विमोचन

आध्यात्मिक चितंन के स्रोत के साथ ही मानवता को व्यावहाकि जीवन दृष्टि भी प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार से ज्ञान-विज्ञान आगे बढ़ रहा है, तब उपनिषदों और वेदों का ज्ञान हमारे लिए और भी प्रासांगिक हो जाता है। जीवन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच में आत्मा और ब्रह्मा की खोज निश्चित रूप से हमें प्रेरणा देने का कार्य करेगी। यह पुस्तक सभी को आत्म विकास, आत्म चिंतन और स्वयं की खोज के लिए भी प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश देवभूमि होने के साथ ही आध्यात्मिक चिंतन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है। आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानन्द और ऋषि-मुनियों ने इस पुण्य धरा को अपनी शरण स्थली बनाया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक हमारी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि प्रकाश सुमन ध्यानी ने जीव विज्ञान की पढ़ाई कर आत्मज्ञान तक पहुंचकर 'उपनिषदीय दर्शन बोध' पुस्तक लिखी इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूरी भूषण ने कहा कि 'उपनिषदीय दर्शन बोध' पुस्तक के माध्यम से लेखक ने आम जनमानस को उपनिषद और वेदों से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, भाजपा के जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, 'उपनिषदीय दर्शन बो' पुस्तक के लेखक प्रकाश सुमन ध्यानी, गणेश खुगशाल एवं साहित्य से जुड़े लोग उपस्थित थे।

बच्चे के गायब होने से परेशान परिजनों के चेहरे पर लौटी खुशी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग लड़के के गायब होने से परिजन परेशान हो गये। वही पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद गायब हुए नाबालिग का पता लगाकर उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया है जिससे परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आयी है। जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली लक्सर के ग्राम तिलकपुरी भिक्कमपुर क्षेत्र में एक नाबालिक लड़के के लावारिस हालत में घूमने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उक्त नाबालिग लड़के से परिजन सहित अन्य जानकारी जुटाने की कोशिश की गयी लेकिन बच्चे के तुतलाकर बोलने के कारण कोई भी लाभप्रद जानकारी नही मिल पायी। अन्य विकल्प तलाशते पुलिस ने आस-पास के लोगों से पूछताछ के साथ ही सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए वाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से बच्चे की तस्दीक करने के प्रयास किए तो बच्चे का पता देवबन्द जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश होने व बच्चे के पथरी क्षेत्र स्थित अपनी नानी के घर में रहने की जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस द्वारा बच्चे के परिजनों से संपर्क कर बच्चे को सकुशल उनके सुपुर्द किया गया। पुलिस कि त्वरित कार्यवाही व बच्चे कि सकुशल बरामदगी पर परिजनों व आस- पास के लोगो द्वारा पुलिस कि हृदय से प्रशंसा कर आभार जताया गया है।

लग्जरी कार से करता था नशा तस्करी, स्मैक के साथ गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार लग्जरी कार से नशा तस्करी करने आये मुरादाबाद निवासी ग्रेजुएट कार चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 20.22 ग्राम स्मैक व इलेक्ट्रानिक तराजू भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना कनखल पुलिस को सूचना मिली कि कोई नशा तस्कर स्मैक की डिलीवरी करने क्षेत्र में आया हुआ है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बैरागी कैम्प हेलीपेड के पास एक संदिग्ध एक्स यू वी- 500 कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोक कर तलाशी ली तो चालक के पास से से 20 ग्राम से अधिक स्मैक व एक इलेक्ट्रोनिक तराजू की बरामदगी की गई।

पुलिस के अनुसार बी.ए. पास आरोपी चालक मुनाफे के लिए कुछ समय पहले ही स्मैक तस्करी व बिक्री के ध ंधे में जुड़ी था। शुरुआती सफलता मिलने पर आरोपी ने जल्द अमीर बनने की हसरत मन में पाल मुरादाबाद से हरिद्वार का रुख किया था लेकिन पहली ही बार में हरिद्वार पुलिस द्वारा ध र लिया गया।

बरामदगी के आधार पर पकड़े गए चालक व मुरादाबाद में स्मैक उपलब्ध

कराने के आरोपी पैडलर के खिलाफ थाना कनखल में मुकदमा दर्ज कर आरोपी पैडलर की तलाश शुरू कर दी गयी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।